5

टपका का डर

बरसात का दिन था। चारों ओर पानी बरस रहा था। दादी माँ का घर भीग रहा था। जल्दी ही छप्पर से पानी टपकने लगा। दादी माँ परेशान हो उठीं, परंतु करतीं भी क्या ? छप्पर पुराना था।

थोड़ी देर में ओले भी पड़ने लगे। ढेर बराबर ओले ! उधर एक बाघ ओलों की मार से परेशान हो उठा। कूदते–फाँदते वह दादी माँ के घर के पास पहुँचा।

दादी माँ अंदर भात बना रही थीं। चूल्हे पर पानी टपक रहा था टप–टप, टप–टप।

वह झुँझला उठीं और बोलीं – "मुझे टपका से जितना डर लगता है उतना तो बाघ से भी नहीं।"

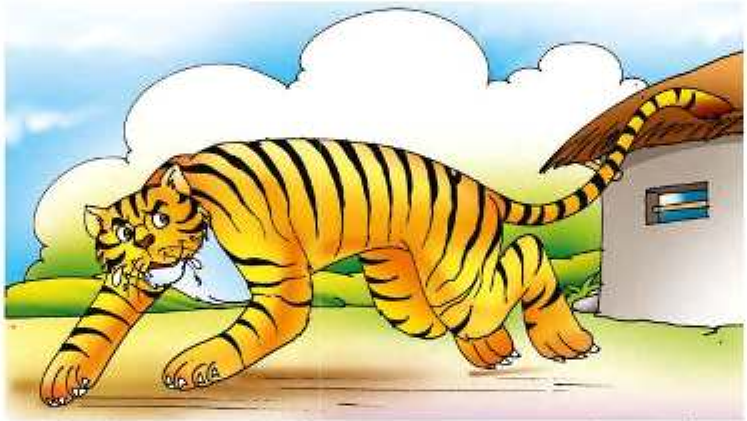

बाघ ने सोचा– यह मुझसे तो नहीं डरतीं, मगर टपका से डरती हैं। टपका जरूर मुझसे भी कोई बड़ा जानवर होगा! बस, यह सोचते ही बाघ घबराया और सिर पर पैर रख कर भागा।

अभ्यास

1. बताओ –

क. दादी माँ क्यों परेशान थीं ?

ख. बाघ दादी माँ के घर के पास क्यों गया था ?

ग. बाघ क्यों भाग गया ?

घ. छप्पर कौन–कौन सी चीजों से बनता है ?

ङ. ओले पड़ने पर तुम क्या करते हो ?

च. तुम्हारे घर में चूल्हे पर क्या–क्या पकाया जाता है ?

छ. पिताजी की माँ को दादी कहते हैं। तुम अपने पिताजी की माँ को क्या कहते हो ?

2. लिखो, बरसात में और क्या–क्या भीग रहा होगा ?

3. इस पाठ में कौन से शब्द इन अक्षरों से बने हैं, लिखो–

जैसे ब से बस

ब	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
म	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....
प	....	....	....	....	....	....	....	....	....	....

4. चित्र बनाओ– रसोई के किसी बर्तन का–

- बच्चों को इसी प्रकार की लोककथाएँ सुनाएँ और उनसे घर पर बड़े–बूढ़ों से लोककथाएँ सुनकर आने को कहें। बाघ का मुखौटा बनवाकर बच्चों से अभिनय कराएँ।

fdruk lh[kk \

1. कहानी आगे बढ़ाओ–

आशमा फुटबाल खेल रही थी। उसने गेंद को ठोकर मारी। गेंद बदरी काका की छत की ओर उछली ....।

2. इस वर्ग पहेली में आठ अंगों के नाम छिपे हैं। उन्हें ढूँढ़कर घेरा लगाओ–

हों	ठ	क	ग	म	आँ	जी	भ
पा	ग	हा	ज	ध	ख	थ	य
रा	झ	थ	का	न	प	व	ञ
पै	र	स	श	ष	ज्ञ	ठ	म
छ	ता	पे	ट	सा	दे	ना	क

3. शब्द बनाओ –

रे	खे	घो	हा ....
सि	बा	प	ध ....

4. इन शब्दों में 'ई' की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाओ, जैसे–
फल+ ई= फली

नल	कल	ढल	मूल
....	....	....	....

5. दिए गए उदाहरण की तरह खाली स्थानों में शब्द भरो–

खा	खाऊँगा	खाऊँगी	खाएँगे
सो	....	....	सोएँगे
रो	रोऊँगा	....	....
बो	....	बोऊँगी	....
धो	धोऊँगा	....	....

6. क्या–क्या होता –

खट्टा	नींबू	पीला	....
गोल	....	ठंडा	....
मीठा	....	गरम	....
सफेद	....	चौकोर	....

7. पढ़ो और समझो –

प+त्+ता	=	पत्ता	न+र्+म	=	नर्म
कु+त्+ता	=	कुत्ता	न+म्+र	=	नम्र
स+च्+चा	=	सच्चा	क+र्+म	=	कर्म
वि+द्+या	=	विद्या	श+र्+म	=	शर्म
स+न्+त	=	सन्त	क्+ऋ+पा	=	कृपा
म+च्+छ+र	=	मच्छर	द्+ऋ+ढ़	=	दृढ़

8. बताओ – बाघ दादी की बात सुनकर क्यों भाग गया ?